बगुला और बैल

यह एक अनूठी कहानी है. इसके संवेदनशील काले-सफेद-चित्र दिवंगत अमेरिकी चित्रकार, जॉन फुल्टो ने बनाए हैं.

यह एक बगुले और लड़ाई वाले बैल की मार्मिक और प्रेरक कहानी है. शुरू में बैल, बगुले के जीवन को बचाता है, और फिर वर्षों बाद बगुला उस एहसान को चुकाने में सफल होता है. बगुले ने बैल को चेतावनी दी कि अगर वो बैलों की लड़ाई में जाएगा तो वो ज़िंदा नहीं बचेगा और अंत में वो कसाई की दुकान में लटका होगा. बाद में जब बैल लड़ता है, तो छोटा बगुला उसे बचाने की योजना बनाता है.

दोस्ती और वफादारी के बारे में एक नायाब किताब.

कई साल पहले, दक्षिणी स्पेन में एक बड़े दलदल के पास, एक छोटा बैल रहता था. वो बहुत बहादुर था और किसी से भी नहीं डरता था. उसका फर काला, और चमकदार था. और उसकी आँखें गीली और नरम थीं. पर गुस्से में उसकी आँखें अंगारों की तरह चमकती थीं.

वैसे अभी बच्चे बैल के सींग बहुत छोटे थे, लेकिन वो हमेशा चार्ज करने को तैयार रहता था. पर इसमें कोई आश्चर्य नहीं, क्योंकि स्पेन के बैल, दुनिया में सबसे बहादुर माने जाते हैं.

जहाँ वो बच्चा बैल रहता था, उसके पास ही एक बगुले का घोंसला था. बगुलों के चेहरे पर हमेशा गंभीर भाव होता है. पर वे जितने ज़्यादा गुस्से में देखते हैं, असल में वे उतने ही ज्यादा खुश होते हैं. इन सफेद पक्षियों का पसंदीदा भोजन छोटे-छोटे पिस्सू होते हैं जो बड़े, काले बैलों की खाल पर चिपके होते हैं.

एक दिन जब माँ बगुले ने अपना घोंसला छोड़ा, तो तुरंत एक लोमड़ी ने बगुले के बच्चे को आकर घेरा. लेकिन जैसे ही लोमड़ी घोंसले पर उछली, उसे छोटा बैल दिखाई दिया.

"तुम्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए," छोटा बैल, लोमड़ी पर ज़ोर से चिल्लाया.

पर लोमड़ी ने उसे अपने नुकीले दांत दिखाए और घुर्राई.

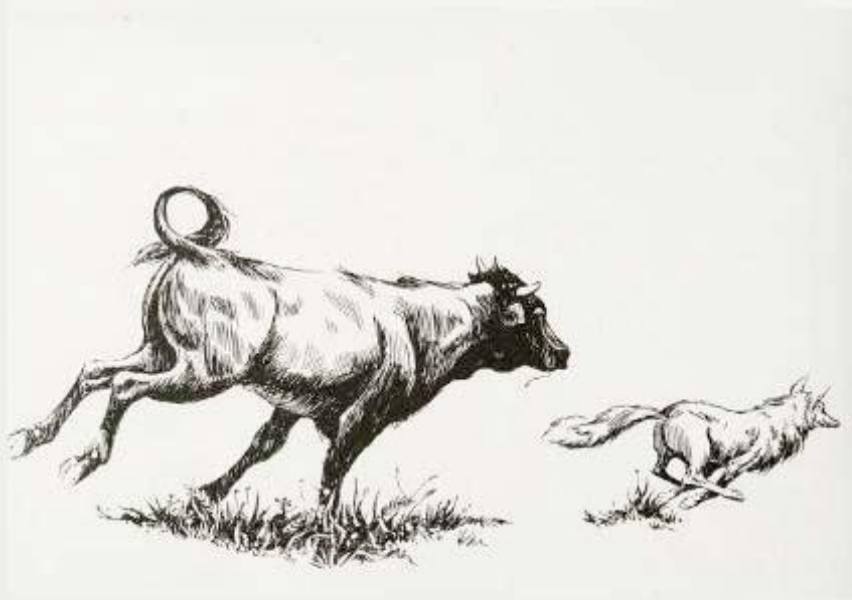

फिर छोटे बैल ने अपना सिर नीचे किया, और अपने छोटे सींगो से लोमड़ी को दूर भगाया.

फिर छोटा बैल घोंसले में लौटकर आया.

"मैं आपका धन्यवाद कैसे अदा करूं," बगुले के बच्चे ने कहा.

छोटे बैल ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "तुम जब बड़े हो जाओ और उड़ सको, तब तुम अपनी नुकीली चोंच से मेरी पीठ से पिस्सू निकालना. और चूंकि तुम बगुले हो इसलिए मैं तुम्हें बस "छोटे बगुले" के नाम से बुलाऊंगा."

"और मैं आपको टोरो बुलाऊंगा," छोटे बगुले ने कहा, "क्योंकि स्पेनिश में "टोरो" का मतलब बैल होता है."

और उस दिन से, बैल और बगुला अच्छे दोस्त बन गए.

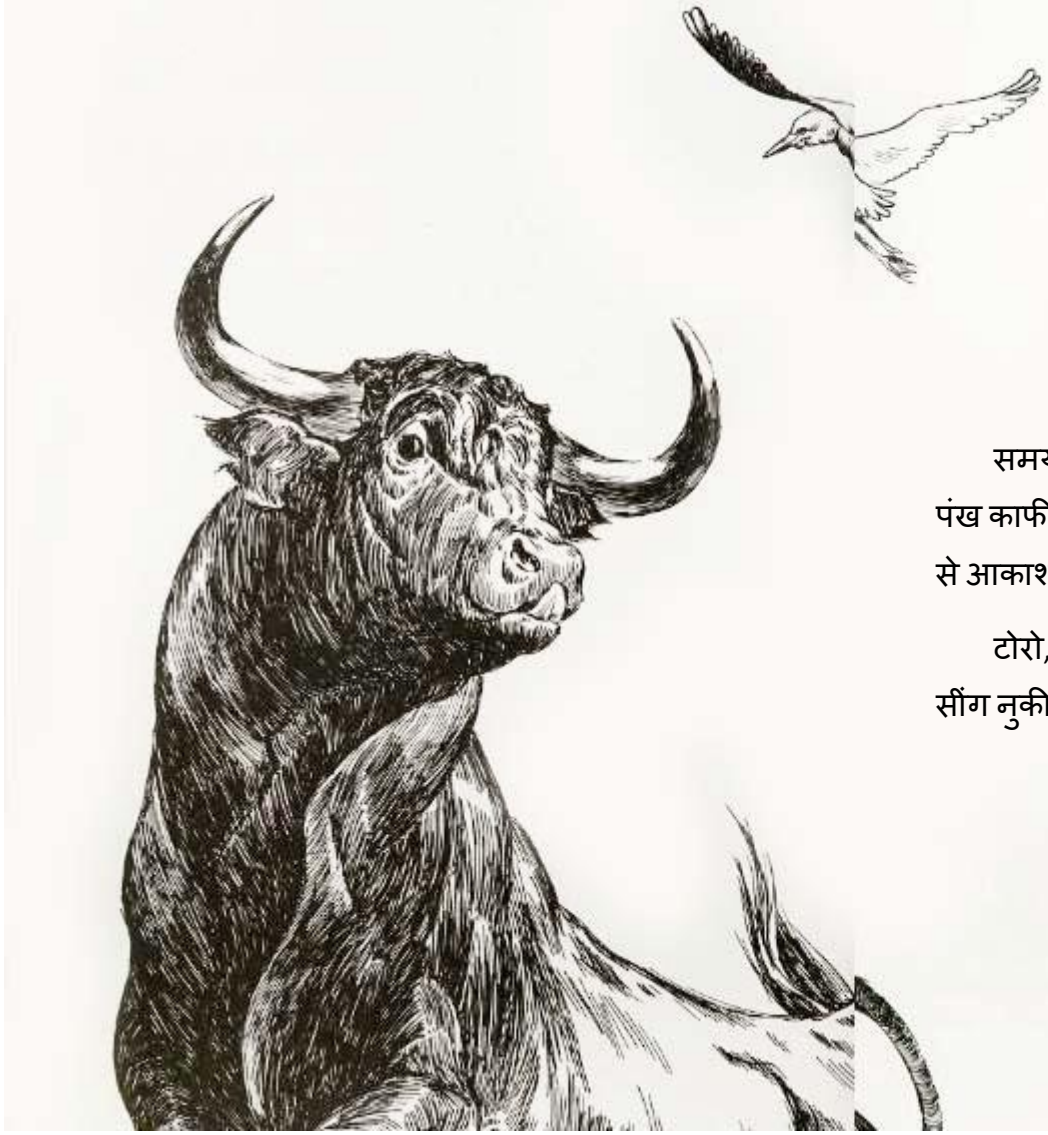

समय बीतता गया, और अब छोटे बगुले के सफेद पंख काफी लंबे हो गए, और फिर वो एक तीर की तेज़ी से आकाश में उड़ने लगा.

टोरो, बैल भी बड़ा और बलवान हो गया. उसके सींग नुकीले और अर्धचंद्र जैसे घुमावदार थे.

जब कई दिनों तक लगातार बारिश होती, जैसा अक्सर दक्षिणी स्पेन में होता है, तब छोटा बगुला, टोरो के मज़बूत पैरों के बीच में आराम करता था.

और जब गर्मियों में चिलचिलाती धूप होती, जैसा अक्सर दक्षिणी स्पेन में होता है, तब छोटा बगुला तालाब से लौटता और अपने पंख फड़फड़ाकर टोरो को ठंडक पहुंचता था.

छोटे बगुले को सुबह-सुबह बड़ी भूख लगती थी. इसलिए हर दिन सुबह तड़के ही छोटा बगुला अपने दोस्त टोरो को जगाता था. वैसे टोरो को अधिक देर तक सोना पसंद था, लेकिन वो अपने सिर को एक तरफ घुमा देता था, ताकि छोटा बगुला उसकी मोटी गर्दन में से पिस्सुओं को बीनकर खा सके.

बाद में, टोरो चारागाह में चरने जाता. जब वो घास पर चलता तो उसके बड़े खुरों से घास में से टिड्डे और अन्य कीट निकलकर उड़ते जिन्हें छोटा बगुला बड़े मज़े में खाता.

हालाँकि टोरो अपने चारागाह से कभी बाहर नहीं गया था, लेकिन ऐसा लगता था जैसे उसने पूरी दुनिया देखी हो. क्योंकि हर शाम, छोटा बगुला वापिस लौटकर बैल को पूरे दिन के किस्से-कहानी सुनाता - वो कहाँ-कहाँ गया, उसने क्या-क्या देखा.

वो नीले समुद्र और उस पर तैरने वाली नावों के बारे में बताता.

जिब्राल्टर की महान चट्टान तो टोरो से भी बड़ी थी.

और वो उसे उत्तरी अफ्रीका में पाए जाने वाले अजीबो-गरीब, कूबड़ वाले ऊंटों की कहानी सुनाता.

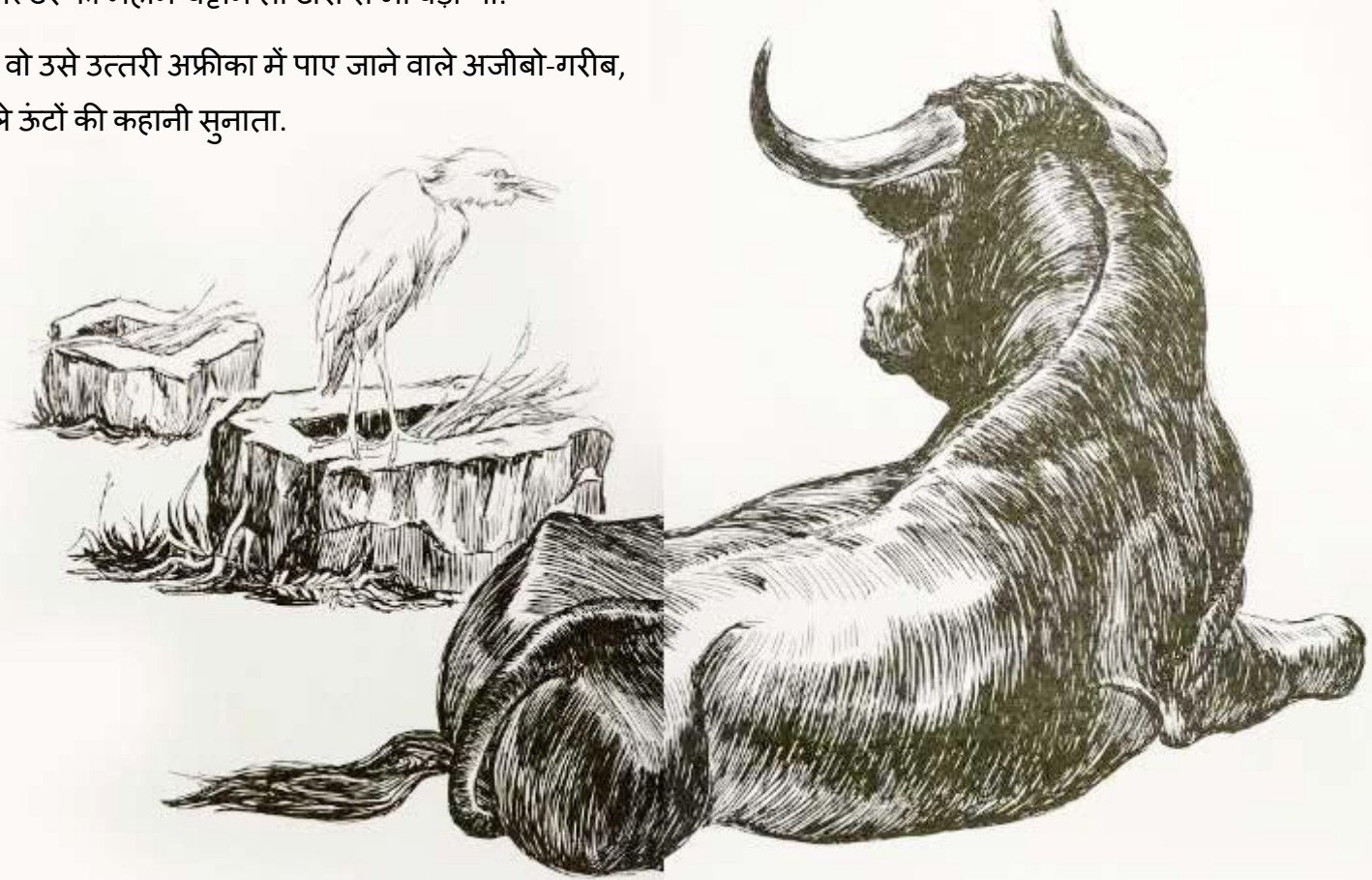

टोरो को दूसरे बैलों के साथ लड़ना पसंद था. वे आगे-पीछे एक-दूसरे को धक्का देते और लड़ते थे. छोटा बगुला उसमें कुछ मदद नहीं कर सकता था. लेकिन टोरो हमेशा जीतता था. वो पूरे चारागाह में सबसे बड़ा और सबसे बलवान बैल जो था.

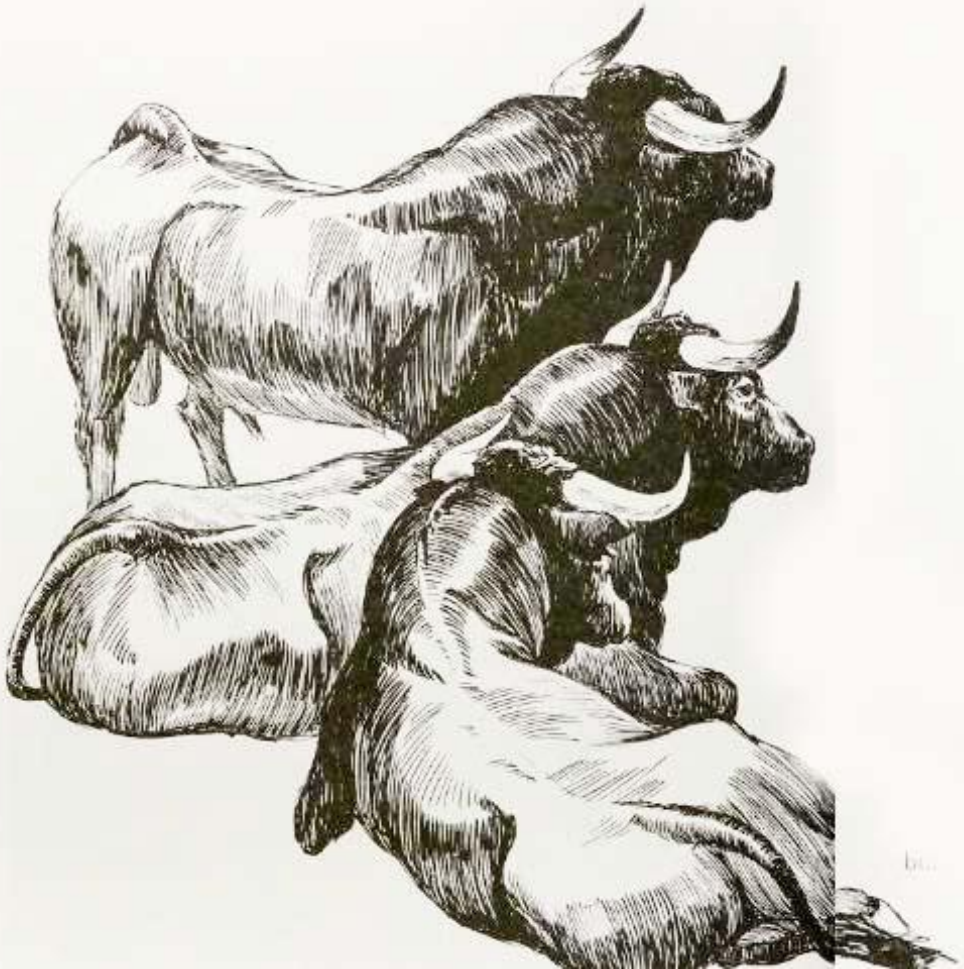

जब टोरो और छोटा बगुला एक साथ चलते,
तो बाकी सभी बैल उनकी प्रशंसा करते थे.

एक दिन कुछ लोग घोड़ों पर सवार होकर चारागाह में आए. वे लोग लड़ाई के लिए सबसे शक्तिशाली बैल को चुनने के लिए आए थे. जब उन्होंने टोरो को एक डंडे से मारकर, उसे दौड़ाकर, उसका परीक्षण किया तो छोटे बगुले ने तुरंत आकाश से उनके सिरों पर झपट्टा मारा और उनकी टोपियों को जमीन पर गिरा दिया.

लेकिन तब तक चयनकर्ताओं ने अपना मन बना लिया था - कि टोरो, स्पेन का सबसे शक्तिशाली और क्रूर बैल था!

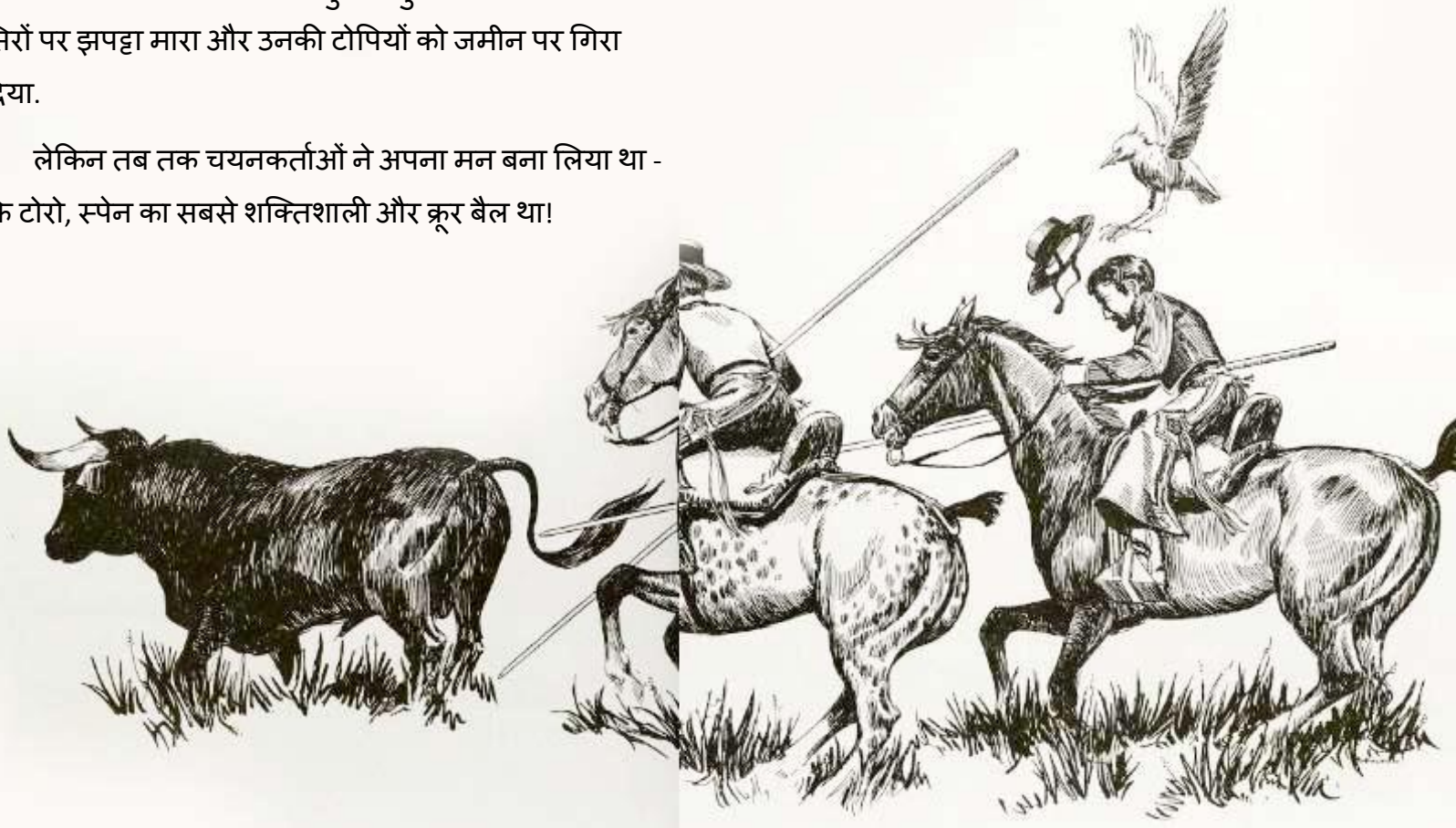

एक दिन दोपहर को जब छोटा बगुला एक लंबी उड़ान से वापिस लौटा तो उसने टोरो को बड़े गर्व से एक सूखे पेड़ के तने से अपने सींगों को रगड़ते हुए देखा.

टोरो बहुत उत्साहित था.

"आज जो लोग आए थे वे सेविला में, अगले रविवार की लड़ाई के लिए बैल चुनने के लिए आए थे," वो चिल्लाया, "और उन्होंने मुझे सबसे बहादुर बैल के रूप में चुना है!"

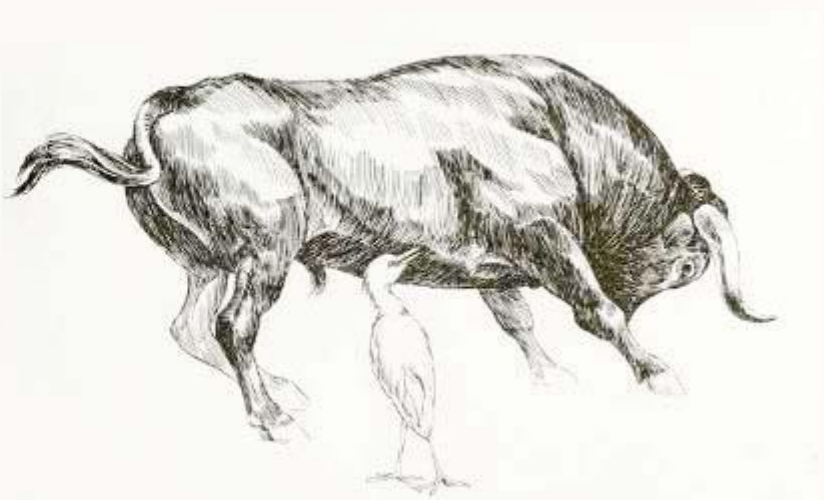

"लेकिन टोरो, तुम लड़ाई के बाद ज़िंदा वापस नहीं लौटोगे," छोटे बगुले ने रोते हुए कहा. "मैटैडर की तलवार से कभी भी कोई बैल ज़िंदा वापिस नहीं लौटा है."

"चिंता मत करो, छोटे दोस्त." टोरो ने कहा. "सेविला के लोगों ने मुझ जैसा तेज और ताकतवर बैल पहले कभी नहीं देखा होगा. कोई भी मुझे तलवार से नहीं मार पाएगा."

यह सुनकर छोटे बगुले का दिल डूब गया और उसकी छोटी-छोटी पीली आँखों में आँसू भर आए, क्योंकि वो सच्चाई जानता था. हालाँकि उसने कभी टोरो को नहीं बताया था, लेकिन वो कई बार रविवार की दोपहर को सेविला गया था जहाँ उसने बैलों की लड़ाई देखी थी. वहां से कोई बैल ज़िंदा नहीं लौटा था.

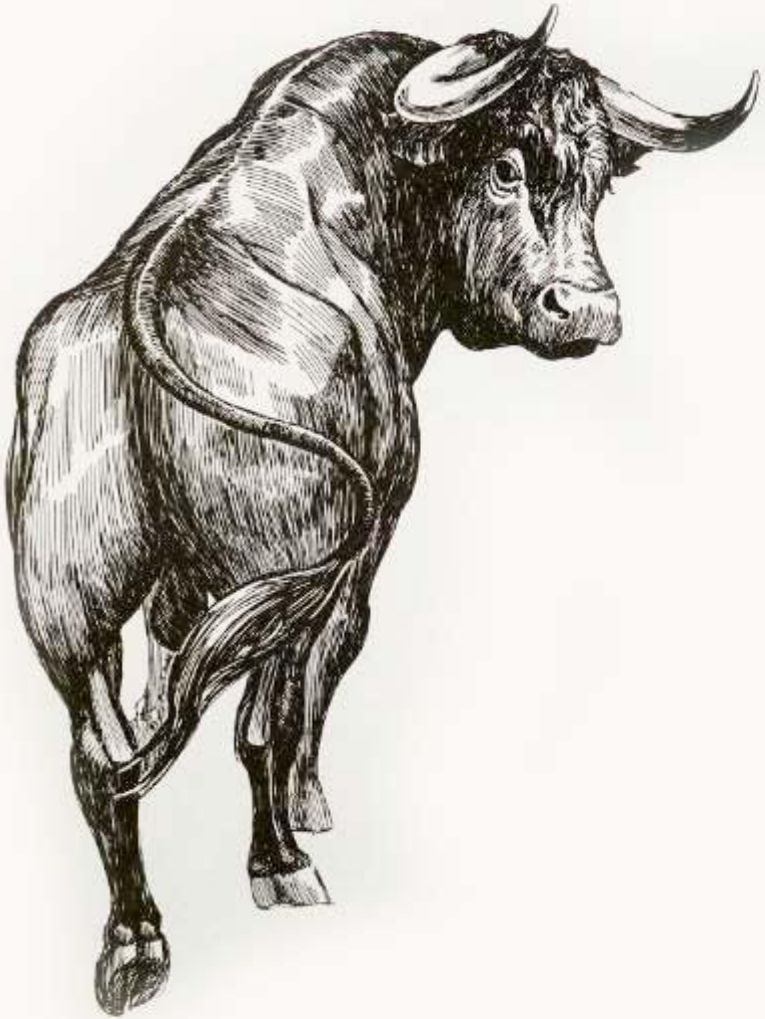

लेकिन भरसक कोशिश करने के बाद भी छोटा बगुला, टोरो को यह नहीं समझा सका कि बैलों की लड़ाई के बाद सभी बैलों का मांस कसाई की दुकान में जाकर बिकता है. अंत में छोटा बगुला, अपना धैर्य खो बैठा और वो चीखा, "अरे, तुम बिल्कुल नहीं सोचते हो. तुम्हारी खोपड़ी बैलों वाली जो है!"

फिर वो भयावह दिन आया और लोग टोरो को एक बड़े कंटेनर ट्रक में बंद करके ले गए.

जब छोटे बगुले ने टोरो के ट्रक का पीछा किया तब वो बेहद दुखी था. उसे लग रहा था कि उसका दिल टूट जाएगा.

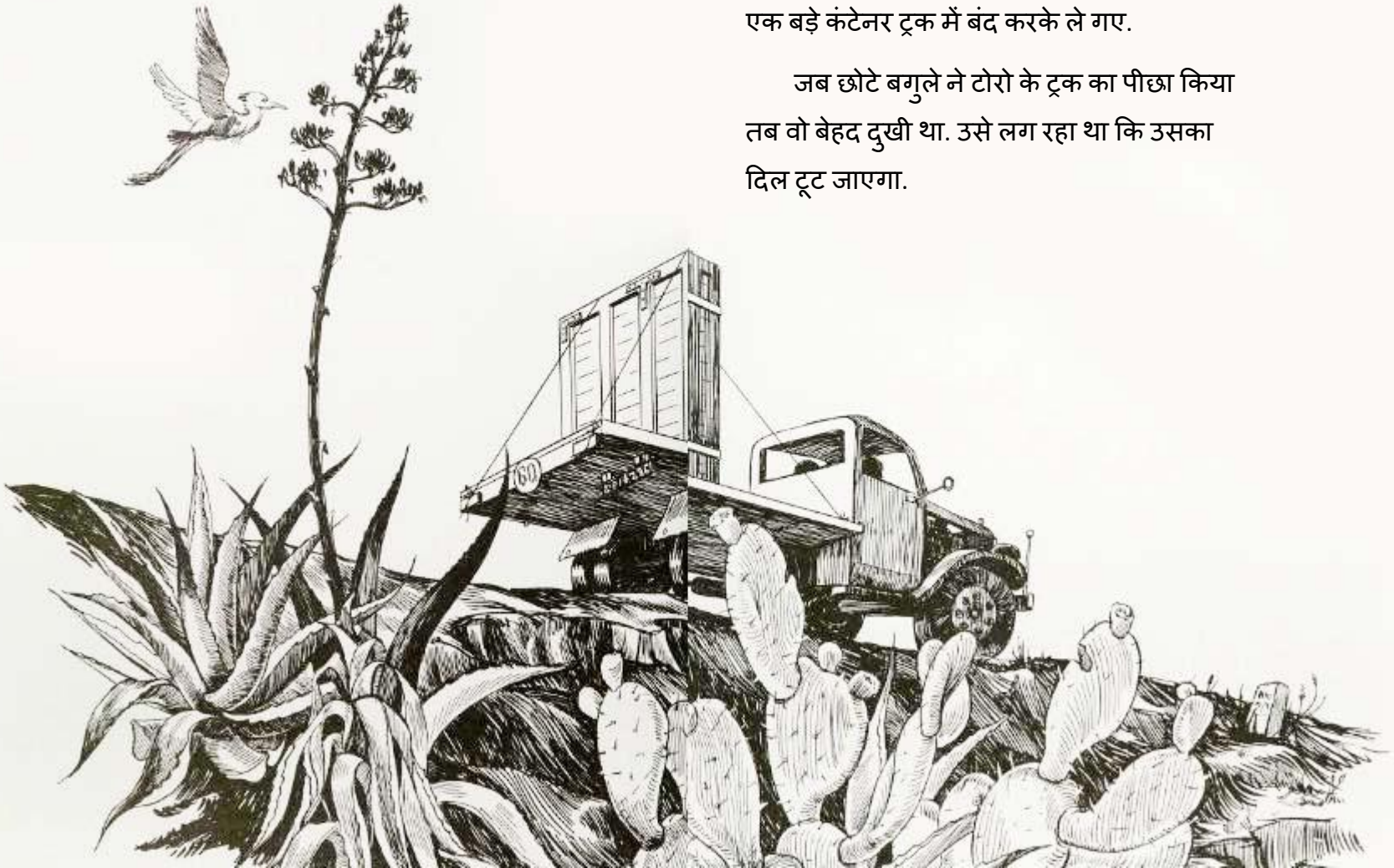

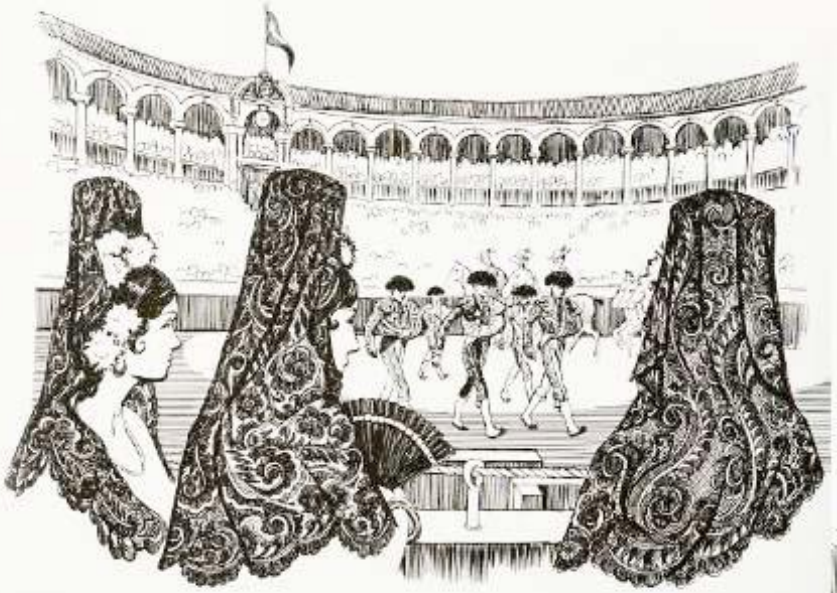

जब वे सेविला पहुंचे, तो बैलों की लड़ाई वाली गोल स्टेडियम लोगों से खचाखच भरी हुई थी.

वहां पर बैंड एक शानदार संगीत की धुन बजा रहा था.

वहां महिलाओं ने अपने सबसे अच्छे काले फीतों वाली ड्रेस पहनीं थीं.

अंत में स्टेडियम के प्रेजिडेंट ने तुरही बजाने के लिए संकेत दिया, और फिर बैलों से लड़ने वाले तलवारबाज़ गर्व से सुनहरी रेत पर आकर खड़े हुए.

उसके बाद एक बड़ा लकड़ी का दरवाजा खोला गया जिसमें से टोरो ने लड़ाई के गोले में प्रवेश किया.

छोटे बगुले के लिए इस लड़ाई को देखना बर्दाश्त के बाहर की चीज़ थी. वो वहां पीछे दीवार पर चुपचाप बैठा था और उसका दिल ज़ार-ज़ार रो रहा था.

"अरे, मैं भला क्या कर सकता हूं?" उसने सोचा, और वो लड़ाई के रिंग की चारदीवारी पर आगे-पीछे चलता रहा.

एक बुद्धिमान बूढ़ा बैल जो वहां मौजूद था, उसने पक्षी का रोना सुना और उससे पूछा, "तुम इतने उदास क्यों हो, सफेद पंखों वाले दोस्त?"

उसने बाद छोटे बगुले ने बैल को टोरो के बारे में बताया.

"अच्छा तो यह बात है," बूढ़े बैल ने कहा. "यह सच में बड़ी दुखद बात है. लेकिन तुम कहते हो कि तुम्हारा दोस्त पूरे स्पेन में सबसे शक्तिशाली बैल है. शायद, अभी भी एक उम्मीद बची है. शायद अब सेविला के लोगों को यह याद न हो कि कैसे एक बहादुर बैल के जीवन को क्षमा किया जाता है. पर बूढ़े, निकट-दृष्टि वाले प्रेजिडेंट को वो बात ज़रूर याद होगी."

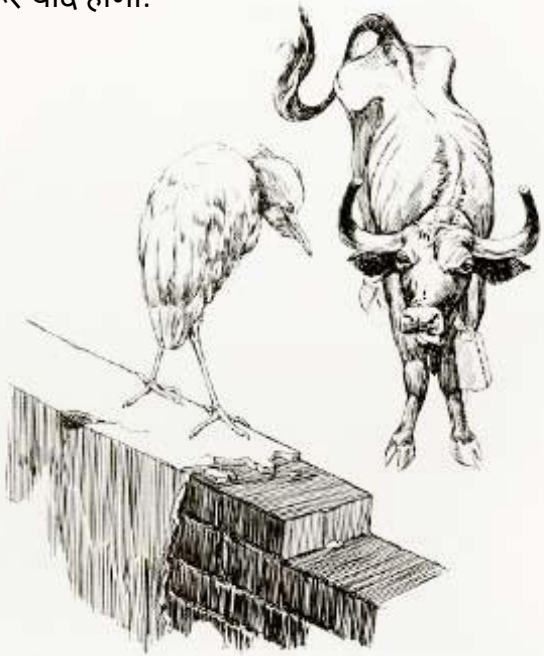

"लेकिन कैसे, वो कैसे होगा?" छोटे बगुले ने निवेदन किया. "कृपया जल्दी बताएं, क्योंकि टोरो पहले ही रिंग में पहुँच चुका है!"

"ठीक है," बूढ़े बैल ने कहा, "जब मैं एक छोटा बछड़ा था, तब अगर कोई बैल बहुत बहादुर होता था, तो सभी लोग अपने-अपने सफेद रूमाल निकालकर उन्हें अपने सिर के ऊपर लहराते थे. उसके बाद राष्ट्रपति उस बैल को अपने चारागाह में वापस भेजने का आदेश देता था. फिर वो बैल अपना बाकी जीवन शांति से बिताता था."

"आपने कहा कि पुराने राष्ट्रपति की आँखें कमज़ोर हैं?" छोटे बगुले ने कहा. उसने एक पल के लिए सोचा और फिर एक सफेद तीर की तरह छोटा बगुला हवा में उड़ा.

जैसे ही छोटे बगुले ने लड़ाई के रिंग के ऊपर उड़ान भरी, वैसे ही टोरो ने मैटाडोर (तलवारबाज़) के कपड़े पर तेज़ी से चार्ज किया.

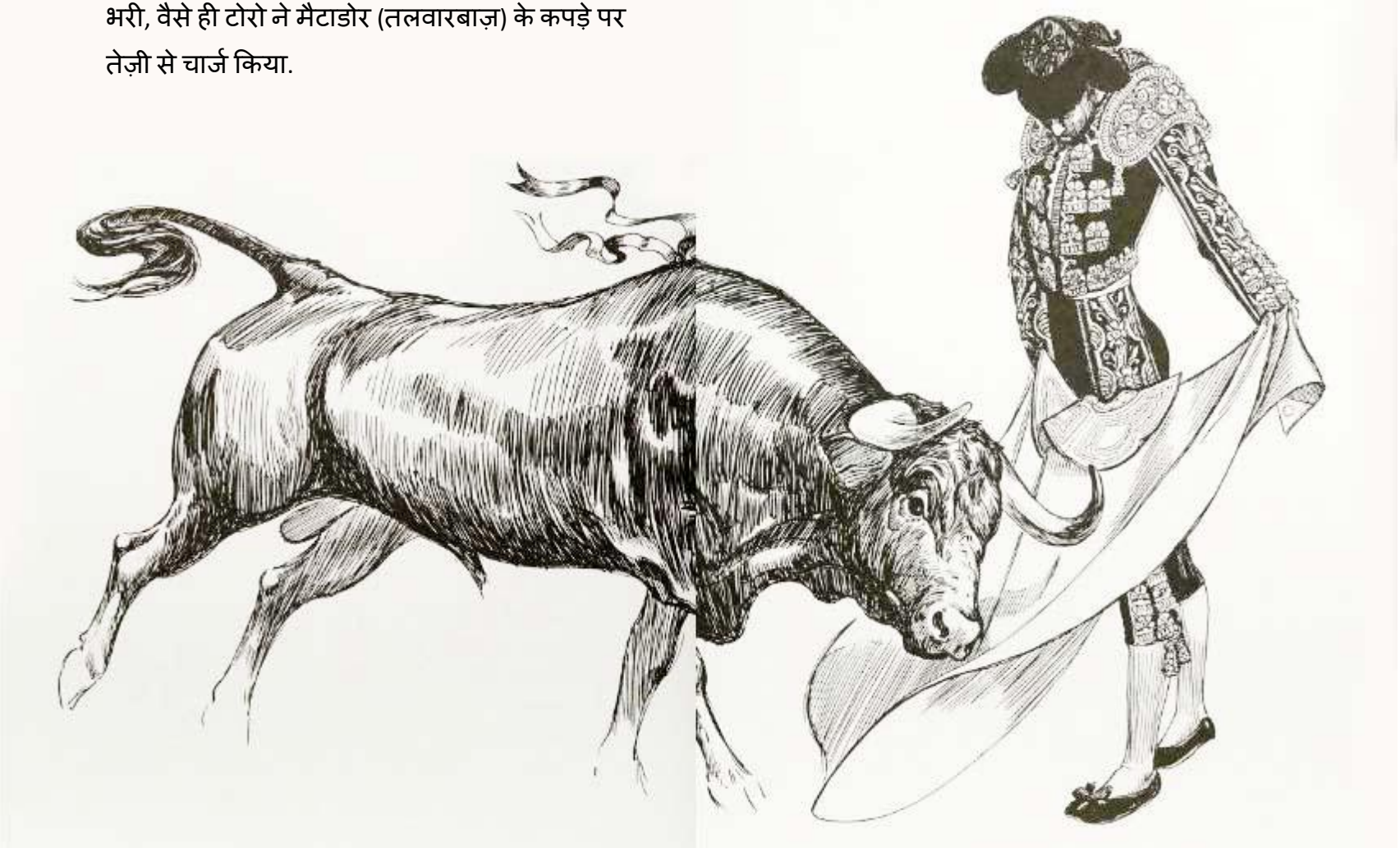

छोटा बगुला शहर के ऊपर और नदी के पार
दलदल की तरफ उड़कर गया.

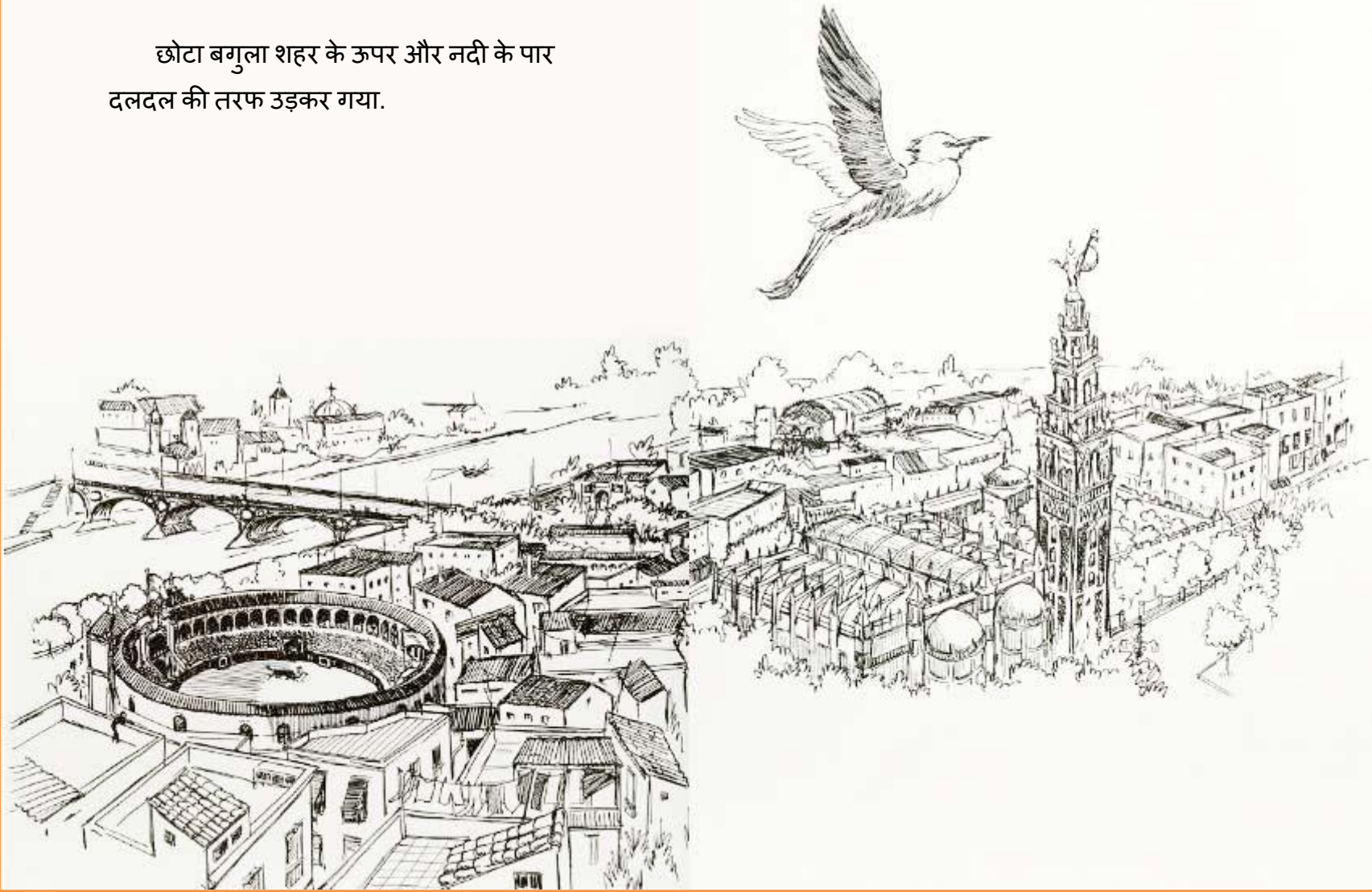

अनेकों बगुले वहां दलदल में शांति से धूप सेंक रहे थे और कीड़े चुग रहे थे. तब छोटा बगुला उनके बीच उतरा और उसने मदद के लिए गुहार की.

छोटे बगुले का रोना सुनकर, पक्षियों का एक महान झुंड सफेद बादल की तरह आसमान में उठा और छोटे बगुले के पीछे-पीछे सेविला की ओर बढ़ा.

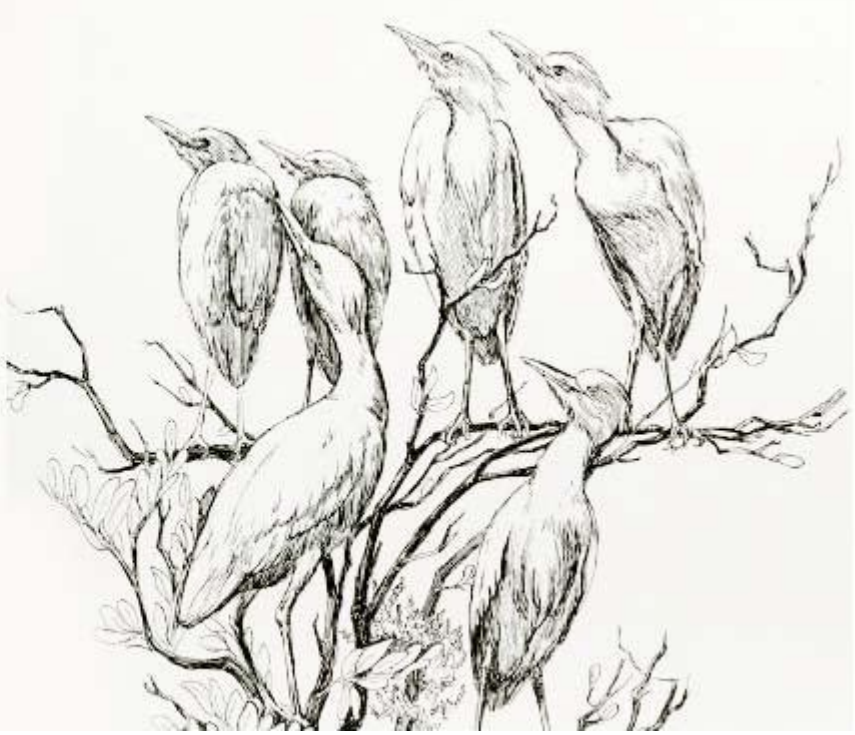

लड़ाई के रिंग में भयभीत मैटाडोर (तलवारबाज़) अपनी तेज तलवार को म्यान से खींच रहा था.

"मैंने जितने बैल देखे हैं, उनमें से यह बैल सबसे ताकतवर है," बूढ़े राष्ट्रपति ने कहा.

और जैसे ही टोरो ने मैटाडोर को तलवार साधते देखा, वैसे ही तुरंत उसे छोटे बगुले की बताई नसीहत की सच्चाई समझ में आई.

सफेद बगुलों का झुंड एक बादल जैसे नीचे आया और उसने लड़ाई के रिंग के चारों ओर चक्कर लगाया.

अपने सीट पर बैठे-बैठे कमज़ोर नज़र वाले प्रेजिडेंट ने लड़ाई के रिंग के ऊपर पक्षियों को देखा और वो चिल्लाया, "तुरही बजाओ! मुझे पता था! मैं अच्छी तरह जानता था! सेविला के लोगों को अभी भी याद है कि किसी बहादुर बैल के जीवन को कैसे बचाया जाता है! ज़रा उन सफेद रूमालों के झुंड को लहलहाता हुए देखो!"

रिंग में बैठे अन्य बूढ़े लोगों ने भी, कमज़ोर नज़र वाले प्रेजिडेंट की तरह ही बगुलों के झुंड को सफेद रूमाल का हिलना समझा.

"बैल बचाओ!" वे चिल्लाए और उसके बाद उन्होंने खुद के रूमालों को तेज़ी से लहराया. जल्द ही पूरी रिंग, सफ़ेद रूमालों का एक समुद्र नज़र आ रही थी.

संगीतवादकों ने अपनी तुहरियों में शानदार सलामी की धुन फूंकी. बैंड ने पहले की अपेक्षा अधिक शानदार धुनें बजाईं. भीड़ ने देर तक ज़ोरदार तालियां बजाईं. अंत में लड़ाई का पूरा रिंग हिलने लगा. फिर महान लकड़ी का दरवाजा खुला और टोरो गर्व से लड़ाई का रिंग छोड़कर धीरे-धीरे वापिस बाहर गया.

छोटे बगुले ने ख़ुशी से अपने दोस्तों को धन्यवाद दिया, और वे वापस दलदल की ओर उड़ गए.

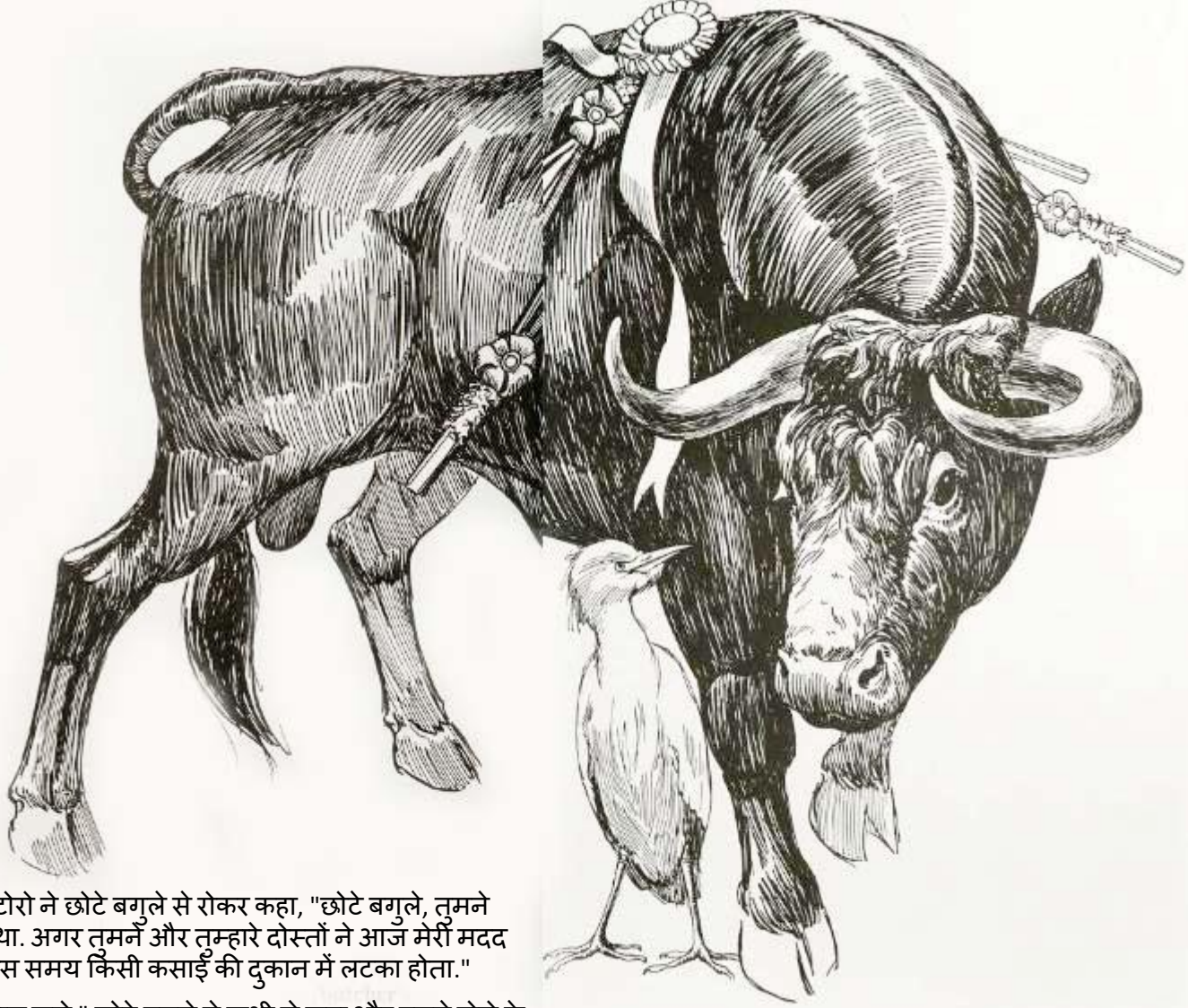

रिंग के पीछे, टोरो ने छोटे बगुले से रोकर कहा, "छोटे बगुले, तुमने बिल्कुल सही कहा था. अगर तुमने और तुम्हारे दोस्तों ने आज मेरी मदद न की होती, तो मैं इस समय किसी कसाई की दुकान में लटका होता."

"तुम बस आराम करो," छोटे बगुले ने खुशी से कहा और उसने टोरो के कंधे से एक मोटा पिस्सू नोचकर बाहर निकाला.

अगले दिन, टोरो को अपने चारागाह में वापस ले जाया गया जहां छोटा बगुला उसका इंतजार कर रहा था. वे दोनों बेहद खुश थे.

वैसे इस बात को अब कई साल बीत चुके हैं, लेकिन सेविला के लोग अभी भी "सफेद रूमालों" वाली उस दोपहर को याद करते हैं और टोरो - स्पेन के सबसे बहादुर बैल के बारे में बातें करते हैं.

समाप्त